

9.2.18

आज परगवली पेश हुई। वाक्युषाप कारिकेन अप पुठिपरी  
अप पुठिपरी बंगी ने अर्चना पर पेश किया कि  
पारी व पुठिपारी के अर्थ शान्तिनामा हो गया है।  
अतः पुकरण से कोई कार्यावाही नहीं चालते हैं।  
अर्चना पर व इत्या का मनन किया गया। पुकरण  
चलने योग्य नहीं है। पुकरण शरीर किया जाता है  
परगवली के साथ शुभार होकर जम्बर से पत्र लो। परगवली  
इपत्र रक्षित किया जाते।